

(10) मिथिला, १९४१ का विषय १२९)

मिठा - श्री कुल्लाम गंछ

10
(11/11/11) - 10/11/11

38/12-18

कर्मयोगः अथ कर्मयोगसूत्रम्

आपका पत्र को गहरे ध्यान से पढ़ा है।
विशेषकर आपकी बातों पर ध्यान दिया है।

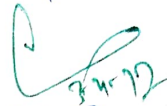
3.2.17

आवेदक श्री राजा राम कंदु पिता
एक भुवनालय कंदु लाकिगलावाली
के द्वारा आवेदन दिया गया है कि
गोला लावाली के लम्बा जमीन
से 63, 139 रुकवा 13.69 रु
भूमि हुसैनी कंदु के गत से
बली प्राप्त है जिसका सरकारी
रसीद वर्ष 1985-86 तक निर्दिष्ट
पुनः अज्ञानता वर रसीद नहीं कर
गान / भूमि पर दखल लब्धा पूर्व
से आगे पूर्व जमीन का रहा है
आवेदक द्वारा अज्ञानता वर रसीद
कि कमाना लब्धा लब्धा पूर्व से
जमीन ही जमीन के निर्दिष्ट
रसीद दखल रसीद निर्दिष्ट
जमीन / जमीन रसीद / जमीन
जमीन के जमीन पूर्व रसीद
जमीन के जमीन रसीद रसीद
जमीन के जमीन रसीद रसीद
जमीन के जमीन रसीद रसीद

2. 9. 2020

3/5/12

अभिलेख अपनाविए
अधोदस्तावेजी कल कार्ड
के साथ रहने के लिए अगले
सुनवाई हेतु अभिलेख दिनांक
6.5.12 को अपनाविए।


मो मो
लावालोंग

02/06/12

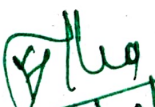
उमय पक्ष के द्वारा संबोधित वाद में हारि नहीं
लेने स्वे लेवे समय से वाद की सारगई लंबित
रहने के फलस्वरूप, वाद की शक्ति समाप्त की
जाती है।

भविष्य में उमय पक्ष चाहें तो पुनः आवेदन
करने हेतु स्वतंत्र हैं।

संबोधित स्वे लेखापित


02/06/12

मोपल भादिकारी
लावालोंग


02/06/12

मोपल भादिकारी
लावालोंग